दैनिक सामयिकी: २५.०६.२०२१

G20 श्रम और रोजगार मंत्रियों की बैठक

चर्चा में क्यों?

- **केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री संतोष गंगवार** ने G20 श्रम और रोजगार मंत्रियों की बैठक में **घोषणा और रोजगार कार्य समूह (EWG)** प्राथमिकताओं पर मंत्रिस्तरीय भाषण दिया।
- भारत **श्रम शक्ति भागीदारी** में लैंगिक अंतर कम करने के लिए सामूहिक प्रयास कर रहा है।

प्रमुख बिंदु

चर्चा के मुद्दे:

- रोजगार कार्य समूह (EWG) ने महिलाओं के रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और दूरदराज के कामकाज सहित प्रमुख मुद्दों पर विचार-विमर्श किया।
- बैठक का विषय श्रम बाजारों और समाजों की समावेशी, टिकाऊ और लचीली वसूली को बढ़ावा देना है।
- वर्ष 2014 में G20 के नेताओं ने ब्रिसबेन में **श्रम शक्ति भागीदारी दरों** में पुरुषों और महिलाओं के बीच के अंतर को **2025 तक 25 प्रतिशत** कम करने का संकल्प किया था।

भारत द्वारा की गई पहल:

- देश शिक्षा, कौशल, प्रशिक्षण, उद्यमिता विकास और समान काम के लिए समान वेतन सुनिश्चित कर रहा है।
- **मजदूरी पर नई संहिता, 2019** से मजदूरी, भर्ती और रोजगार की शर्तों में लिंग आधारित भेदभाव कम होगा।
- सवैतनिक **मातृत्व अवकाश** की अवधि 12 सप्ताह से बढ़ाकर 26 सप्ताह कर दी गई है।
- **प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (PMMY)** में महिला उद्यमियों को छोटे उद्यम शुरू करने के लिए वित्तीय सहायता दी गई है। इस योजना में लगभग 70 प्रतिशत खाते महिलाओं के हैं। इस योजना के तहत 9 हजार बिलियन रुपये के जमानत मुक्त ऋण वितरित किए गए हैं।
- **सामाजिक सुरक्षा संबंधी नई संहिता** में अब स्वरोजगार और कार्य बल के अन्य सभी वर्गों को भी सामाजिक सुरक्षा कवरेज के दायरे में शामिल किया जा सकता है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- **ब्रिस्बेन लक्ष्य की ओर और उससे आगे के G20 रोडमैप** को हमारे श्रम बाजारों के साथ-साथ सामान्य रूप से समाजों में महिलाओं और पुरुषों के लिए समान अवसर और परिणाम प्राप्त करने के लिए विकसित किया गया है।

श्रम शक्ति भागीदारी:

- श्रम शक्ति भागीदारी दर कामकाजी उम्र के सभी लोगों के प्रतिशत को इंगित करती है जो कार्यरत हैं या सक्रिय रूप से काम की तलाश कर रहे हैं।
- आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण, 2018-19 के अनुसार, **भारत** में 15 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं में महिला श्रम बल भागीदारी दर (LFPR) ग्रामीण क्षेत्रों में 26.4 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 20.4 प्रतिशत है।
- ILO के अनुमानों के अनुसार, 2019 में, COVID-19 महामारी से पहले, भारत में महिला श्रम बल की भागीदारी 23.5% थी।

नोट: G20 लीडर्स समिट 2021 का आयोजन अक्टूबर 2021 में रोम इटली में होगा। 2021 के लिए, इटैलियन प्रेसीडेंसी के तहत G20, कार्रवाई के तीन व्यापक, परस्पर जुड़े स्तंभों पर ध्यान केंद्रित करेगा: लोग, ग्रह और समृद्धि।

स्रोत: PIB

"मिशन कर्मयोगी" के लिए विशेष प्रयोजन वाहन (SPV)

चर्चा में क्यों?

- **पूर्व इन्फोसिस के CEO (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) एस डी शिबू लाल** को एक **3 सदस्यीय कार्यबल** का **अध्यक्ष** नियुक्त किया गया।
- कार्यबल महत्वाकांक्षी **"मिशन कर्मयोगी"** के माध्यम से प्रमुख नौकरशाही सुधारों को लाने में सरकार की मदद करेगा
- **अन्य सदस्यों** में गोविंद अय्यर और पंकज बंसल हैं।

प्रमुख बिंदु

- केंद्र ने हाल ही में देश में सभी सिविल सेवाओं की भूमिका-आधारित क्षमता विकास के लिए नियम आधारित प्रशिक्षण से परिवर्तनकारी बदलाव को प्रभावित करने के लिए **'सिविल सेवा क्षमता निर्माण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम - मिशन कर्मयोगी'** को मंजूरी दी है।
- इस मिशन को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए, एक **विशेष प्रयोजन वाहन (SPV), अर्थात् कर्मयोगी भारत,** को एक गैर-लाभकारी कंपनी के रूप में स्थापित किया जाएगा।
- इसे **कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 8 के** तहत 100% सरकारी स्वामित्व वाली इकाई के रूप में स्थापित किया जाएगा।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- विशेष प्रयोजन वाहन डिजिटल प्लेटफॉर्म और बुनियादी ढांचे को डिजाइन करने, लागू करने, बढ़ाने और प्रबंधित करने, योग्यता मूल्यांकन सेवाओं का प्रबंधन और वितरण करने और टेलीमेट्री डेटा के शासन का प्रबंधन करने और निगरानी और मूल्यांकन के प्रावधान को सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होगा।
- **टास्क फोर्स** अपने विज़न, मिशन और कार्यों को संरेखित करते हुए SPV की संगठनात्मक संरचना पर अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करेगा।

'मिशन कर्मयोगी' के बारे में:

सिविल सेवा क्षमता निर्माण के माध्यम से शासन को बढ़ाने के उद्देश्य से सिविल सेवा क्षमता निर्माण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (NPCSCB) - "मिशन कर्मयोगी" शुरू किया गया है।

मिशन कर्मयोगी में निम्नलिखित **छह स्तंभ होंगे:**

- नीति ढांचा
- योग्यता ढांचा
- संस्थागत ढांचा
- डिजिटल लर्निंग फ्रेमवर्क **(इंटीग्रेटेड गवर्नमेंट ऑनलाइन ट्रेनिंग कर्मयोगी प्लेटफॉर्म (iGOT-कर्मयोगी)**
- निगरानी और मूल्यांकन ढांचा।
- इलेक्ट्रॉनिक मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली **(e-HRMS)**

स्रोत: NDTV

गुजरात के लोथल में राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (NMHC)

चर्चा में क्यों?

- पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय ने गुजरात के लोथल में **'राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (NMHC) के विकास में सहयोग'** के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

प्रमुख बिंदु

- गुजरात के अहमदाबाद से लगभग 80 किलोमीटर दूर स्थित **लोथल** के **भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) स्थल** के आसपास के क्षेत्र में एक विश्व स्तरीय सुविधा **राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर (NMHC)** को विकसित किया जाना है।
- देश में NMHC को भारत की समुद्री विरासत को समर्पित **अपनी तरह का पहला** विरासत परिसर के रूप में विकसित किया जाना है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- NMHC को एक अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां प्राचीन से लेकर आधुनिक समय तक के भारत की समुद्री विरासत का प्रदर्शन किया जाएगा और नवीनतम तकनीक का उपयोग करके एक शैक्षणिक दृष्टिकोण भारत की समुद्री विरासत के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए अपनाया जाएगा।

लोथल के बारे में:

- लोथल **सिंधु घाटी सभ्यता** का एक प्राचीन शहर था, जो आधुनिक राज्य गुजरात के भाल क्षेत्र में स्थित है। शहर का निर्माण लगभग 2400 ईसा पूर्व शुरू हुआ।
- लोथल साइट को **UNESCO की विश्व धरोहर स्थल के** रूप में नामित किया गया है, और इसका आवेदन **UNESCO** की **अस्थायी सूची में** लंबित है।

स्रोत: PIB

जमशेदजी एन टाटा पिछली सदी के दुनिया के शीर्ष परोपकारी बने

चर्चा में क्यों?

- हुरुन रिसर्च एंड एडेलगिव फाउंडेशन द्वारा संकलित 50 वैश्विक दानदाताओं की सूची के अनुसार, भारत के अग्रणी **उद्योगपति और टाटा समूह के संस्थापक जमशेदजी एन टाटा** पिछली सदी के दुनिया के सबसे बड़े परोपकारी व्यक्ति हैं।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- **कुल वैश्विक दान** पिछली सदी में 832 बिलियन डॉलर था।
- **हुरुन रिसर्च एंड एडेलगिव फाउंडेशन** ने **2021 एडेलगिव हुरुन फिलैंथ्रोपिस्ट्स ऑफ द सेंचुरी रिपोर्ट** जारी की, जो पिछली सदी के दुनिया के सबसे उदार व्यक्तियों की रैंकिंग है। यह रैंकिंग का पहला साल है।

Top 10 of the 2021 EdelGive Hurun Philanthropists of the Century

Rank	Original Philanthropist	Estimated Current Value of Donation (US$bn)	Start of Key Endowments	Key Person Today	Country	Main Cause
1	Jamsetji Tata	102.4	1892	Ratan Tata	India	Education, Healthcare
2	Bill Gates & Melinda French Gates	74.6	2000	Bill Gates & Melinda French Gates	USA	Healthcare
3	Henry Wellcome	56.7	1936	Eliza Manningham-Buller	UK	Healthcare
4	Howard Hughes	38.6	1953	Clayton S. Rose	USA	Research & Development
5	Warren Buffett	37.4	2006	Warren Buffett	USA	Healthcare
6	George Soros	34.8	1979	George Soros	USA	Human Rights & Justice
7	Hans Wilsdorf	31.5	1945	Marc Maugué	Switzerland	Community Development
8	JK Lilly Sr	27.5	1937	N. Clay Robbins	USA	Community Development
9	John D Rockefeller	26.8	1913	Sharon Percy Rockefeller	USA	Healthcare
10	Edsel Ford	26.6	1936	Darren Walker	USA	Human Rights & Justice

EdelGive Hurun Philanthropists of the Century report

प्रमुख बिंदु

- **रैंक 1:** जमशेदजी एन टाटा (102.4 बिलियन डॉलर)
- **रैंक 2:** बिल गेट्स और मेलिंडा फ्रेंच गेट्स (74.6 बिलियन डॉलर)
- **रैंक 3:** हेनरी वेलकम (56.7 बिलियन डॉलर)
- **रैंक 12:** अजीम प्रेमजी (22 बिलियन डॉलर)

नोट:· अमेरिका 38 अरबपतियों के साथ सूची सबसे ऊपर, उसके बाद ब्रिटेन (5), चीन (3), भारत (2) और पुर्तगाल और स्विट्जरलैंड एक-एक है।

स्रोत: द हिंदू

तमिलनाडु ने 5 सदस्यीय आर्थिक सलाहकार परिषद का गठन किया

चर्चा में क्यों?

- तमिलनाडु सरकार ने मुख्यमंत्री के लिए 5 **सदस्यीय आर्थिक सलाहकार परिषद** का गठन किया।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

पांच सदस्य:

- **एस्तेर डुफ्लो-** नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री
- **रघुराम राजन-** RBI के पूर्व गवर्नर
- **अरविंद सुब्रमण्यम-** भारत सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार
- **एस नारायण-** पूर्व केंद्रीय वित्त सचिव
- **ज्यां द्रेज-** कल्याणकारी अर्थशास्त्री और सामाजिक वैज्ञानिक

प्रमुख बिंदु

- परिषद आर्थिक और सामाजिक नीति, सामाजिक न्याय और मानव विकास से संबंधित मुद्दों और महिलाओं के लिए समान अवसर और वंचित समूहों की भलाई से संबंधित मामलों में सामान्य मार्गदर्शन प्रदान करेगी।

तमिलनाडु के बारे में तथ्य:

- **राजधानी:** चेन्नई
- **राज्यपाल:** बनवारीलाल पुरोहित
- **मुख्यमंत्री:** एम के स्टालिन

स्रोत: द हिंदू

पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हुई हिंसा की जांच के लिए NHRC ने 7 सदस्यीय पैनल का गठन किया

चर्चा में क्यों?

- **राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC)** ने पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हिंसा की शिकायतों की जांच करने के लिए कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेशों के अनुसार, एक 7 सदस्यीय समिति का गठन किया है।
- पैनल का नेतृत्व **NHRC सदस्य राजीव जैन** करेंगे।

नोट: हाल ही में, TMC प्रमुख ममता बनर्जी ने लगातार तीसरी बार पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

- **राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) के बारे में:**·**NHRC** एक वैधानिक सार्वजनिक निकाय है जिसका गठन 12 अक्टूबर 1993 को मानवाधिकार संरक्षण अध्यादेश 28 सितंबर 1993 के तहत किया गया था। इसे मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 द्वारा वैधानिक आधार दिया गया था।

स्रोत: TOI

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now